उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का एक अध्ययन''

डॉ0 लवलता सिंधु
एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षा विभाग
मेरठ कॉलेज, मेरठ (उ.प्र.)

सारांशिका

''उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का एक अध्ययन''

प्रस्तुत लघु शोध में आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति को लिया गया है। इस शोध के द्वारा उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों का आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का स्तर क्या है? इसका पता चला ।

मुख्य शब्दः आधुनिकीकरण, अभिवृत्ति, अध्ययन, गुणवत्ता, शिक्षा।

प्रस्तावना

शिक्षा की गुणवत्ता प्रसार तथा विज्ञान तकनीकी अनुसंधान ही किसी देश की उन्नति के लिए उत्तरदायी होते है। आज का युग वैज्ञानिक युग है। इस आधुनिक युग में प्रवेश करने के लिए हमे पहले से तैयार होना होगा और इस आधुनिकीकरण तेज रफ्तार में कदम से कदम मिलाकर आगे बढना होना वरना हम इस तकनीकी युग में पिछड़ जायेगें। इस दिशा में भारत में तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं। यह कार्य प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षा माध्यम से ही सम्भव हो सकता है।

वर्तमान समय में सामाजिक जीवन राजनीति अर्थात तकनीकी, शिक्षा, मूल्यों व अन्य विविध पक्षों में आधुनिकीकरण की बात कही जाती है। विकासशील देशों में आधुनिकीकरण के प्रति विशेष जिज्ञासा और व्यग्रता देखने को मिलती हैं आधुनिकीकरण कोई दर्शन या आन्दोलन नहीं हैं, जिसमें स्पष्ट मूल्य व्यवस्था हो। यह तो परिवर्तन की प्रयोग ''अर्थ व्यवस्था में परिवर्तन और सामाजिक मूल्यों एवं प्रथाओं पर इसके प्रभाव'' के सन्दर्भ में किया जाता था। आजकल आधुनिकीकरण शब्द को वृहत अर्थ दिया जाता है। इसको एक ऐसा सामाजिक परिवर्तन माना जाता है। जिसमें विज्ञान और तकनीकी के तल शामिल होते है।

आधुनिककीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा सम्बद्ध समाज द्वारा स्वीकृत विस्तृत अर्थो में अधिक अच्छे व सन्तोषजनक जीवन के अंतिम लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान को समाज में पहुँचाया जाता है।

आज का युग वैश्वीकरण का युग है, जिसमें शिक्षा के उद्देश्य ऐसे होने चाहिए जिसमें नागरिक आज के परिवेश में अपने को समाहित कर सकें। समय–समय पर सरकार भी नई शिक्षा नीति के द्वारा शिक्षा के उद्देश्यों में परिवर्तन करती रहती है।

अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति को मापना।
2. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूषों एवं महिलाओं की आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
3. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत स्थायी, अस्थायी एवं पी0टी0ए0 अध्यापकों के आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–प्रवास के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
4. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत स्थायी, अस्थायी एवं पी0टी0ए0 अध्यापकों की आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–जीवन साथी के चुनाव में स्वतन्त्रता के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
5. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत स्थायी, अस्थायी एवं पी0टी0ए0 अध्यापकों की आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–परिवार नियोजन के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
6. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत स्थायी, अस्थायी एवं पी0टी0ए0 अध्यापकों की आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–अन्तर्जातीय विवाह के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन
7. उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत स्थायी, अस्थायी एवं पी0टी0ए0 अध्यापकों की आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–सामाजिक गतिशीलता के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।

शोध की प्रविधि

प्रस्तत लघु शोध अध्ययन हेतु वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या

शोध की जनसंख्या का निर्धारण अन्य उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर में स्थित प्रयागराज बोर्ड से सम्बद्धता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत अध्यापकों को लिया है।

न्यादर्श

समय श्रम धन एवं अर्थाभाव में अनुसंधानकर्ता के लिए उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर के सभी राजकीय व अनुदानित उच्च माध्यमिक विद्यालयों को सम्मिलित करना सम्भव नहीं था। इसलिए

अनुसंधानकर्ता ने अध्ययन के उद्देश्यों के अनुसार 03 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों व 03 अनुदायिक उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 240 अध्यापक/अध्यापिकाओं का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा किया गया है। जिसमें तीन श्रेणी के अध्यापकों को लिया है।

1. स्थायी अध्यापक
2. अस्थायी अध्यापक
3. पी0टी0ए0 अध्यापक

उपकरण

शोधकर्ता ने अपने शोध कार्य से सम्बन्धित विस्तृत एवं उपयुक्त जानकारी प्राप्त करने हेतु मानकीकृत प्रश्नावली का प्रयोग किया है। जिसका निर्माण पी0जी0 आरोन, वी0जी0 मरिहल तथा मालतेसा शिक्षा विभाग कर्नाटक, विश्वविद्यालय कर्नाटक द्वारा बनाये गये पद व्यक्ति के प्रवास, नारी की स्थिति, जीवन साथी के स्वतन्त्र चुनाव, परिवार नियोजन, अन्तर्जातीय विवाह तथा सामाजिक गतिशीलता नामक 06 आयमों पर आधारित है।

इस अभिवृत्ति मापनी में कुल 95 पदों का निर्माण किया गया है, जिनमें से 46 पद सकारात्मक तथा 49 पद नकारात्मक है।

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी

शोधकर्ता अपने शोध को निम्न साख्यिकी की सहायता से पूरा लिया गया।

1. माध्यमान
2. प्रमाप विचलन
3. टी0 का मान

निष्कर्ष

शोधकर्ता द्वारा किये गये शोध कार्य से प्राप्त विभिन्न आकड़ो एवं उनके विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष निम्नानुसार है।

उद्देश्यों के सन्दर्भ में निष्कर्ष

उद्देश्य संख्या 4.1.1 परिकल्पना के सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या–4.1 से यह निष्कर्ष निकलता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापक आधुनिकीकरण के प्रति उच्च स्तर की सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है।

उद्देश्य संख्या 4.1.2 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.2 स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापक एक आयाम प्रवास के प्रति उच्च स्तर व औसत स्तर की सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है।

उद्देश्य संख्या 4.1.4 से सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.4 से स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत अध्यापकों की आधुनिकीकरण के एक आयाम जीवन साथी के चुनाव में स्वतन्त्रता के प्रति उच्च स्तरव औसत स्तर की सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है।

उद्देश्य संख्या 4.1.5 से सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.5 स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के आयाम–परिवार नियोजन के प्रति उच्च स्तर व औसत स्तर की सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है।

उद्देश्य संख्या 4.1.6 से सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.6 से स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत अध्यापक आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–अन्तर्जातीय विवाह के प्रति उच्च स्तर व औसत स्तर की सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है।

उद्देश्य संख्या 4.1.7 से सन्दर्भ में निष्कर्ष

सांख्यिकी संख्या 4.7 से स्पष्ट होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापक आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–आन्र्जातीय विवाह के प्रति उच्च स्तर व औसत स्तर की सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है।

परिकल्पना 4.1.8 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.8 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता हैं।

परिकल्पना 4.1.9 के सन्दर्भ निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.9 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयो में कार्यरत स्थायी अध्यापक महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता है।

परिकल्पना 4.1.10 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.10 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत अस्थायी पुरूष व महिला का लिंग अन्तर आधुनिकीकरण के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित करता है।

परिकल्पना 4.1.11 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.11 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पी0टी0ए0 महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर आधुनिकरण के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता है।

परिकल्पना 4.1.12 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.12 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर एक आयाम आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के आयाम प्रवास के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता है।

परिकल्पना 4.1.13 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

सारिणी संख्या 4.13 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर एक आयाम आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के आयाम नारी की स्थिति के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता है।

परिकल्पना 4.1.14 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

उक्त सारिणी 4.14 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर अधिनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–जीवन साथी के चुनाव के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता है।

परिकल्पना 4.1.15 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

उक्त सारणी 4.15 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर की आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–परिवार नियोजन के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित करता है।

परिकल्पना 4.1.16 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

उक्त सारिणी 4.16 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–अन्र्जातीय विवाह के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता हैं।

परिकल्पना 4.1.17 के सन्दर्भ में निष्कर्ष

उक्त सारिणी 4.17 का अवलोकन करने ज्ञात होता है कि उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूषों का लिंग अन्तर आधुनिकीकरण अभिवृत्ति के एक आयाम–सामाजिक गतिशीलता के प्रति अभिवृत्ति में लिंगगत सार्थक रूप से प्रभावित नहीं करता है।

शोध का अंकण एवं टंकण

प्रदत्तों के विश्लेषण तथा व्याख्या हेतु मध्यमान, प्रमाप, विचलन तथा टी–परीक्षण साख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

शोधार्थिनी ने प्रदत्तों के विवरण हेतु सांख्यिकीय प्रविधियों के प्रयोग के लिए माईक्रोसॉफ्ट एक्सेल 2007 का उपयोग किया तथा माईक्रोसॉफ्ट वर्ड 207 तक शोध को लिपिबद्ध किया गया है। लिपि ज्ञतनजप क्मअ 010 एवं फॉण्ट साइज 19, 18 तथा 27 का उपयोग किया है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1 आल पोर्ट जी डब्ल्यू ''ए हैण्ड बुक ऑफ सोशियल साईकोलॉजी बार सेन्टर'' क्लॉर्क यूनिवर्सिटी प्रेस, 1935

2 एनेस्टेसी. एन. ''साइकोलॉजी टैस्टिंग'', मैकमिलन एण्ड कम्पनी, न्यूयॉर्क, 1959

3 ओड.एल.के. ''शिक्षा के नूतन आयाम'' राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1988–89

4 बेस्ट.जे.डब्ल्यू. ''रिसर्च इन एजुकेशन'' प्रिटिंग हॉल, प्रा.लि. न्यूयॉर्क, 1973

5 भटनागर. सुरेश ''शिक्षा मनोविज्ञान'', लायल बुक डिपो, मेरठ, 1977

6 बघेला, हेत सिंह ''विद्यालय प्रशासन एवं स्वस्थ शिक्षा'' विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा

7 क्रोन बैक, एल.जे. ''ऐसेन्शियल ऑफ साइकोलॉजीकल टैस्टिंग'' हार्पर ब्रदर्स, न्यूयॉर्क, 1960

8 8.डिडरिच पी वी ''कम्पोनेंट ऑफ साइन्टिफिक एटीड्यूड'', न्यूजर्सी 1950

9 दुबे एल एन ''कम्पोनेन्ट ऑफ साइन्टिफिक एटीट्यूड'', एजुकेशन'', नोंग मेन ग्रीन एण्ड कम्पनी, न्यूयॉर्क, 1959

10 गैरिट एच ई ''स्टेटिस्टिक्स इन साइकोलॉजी एण्ड एजुकेशन'' नोंग मेर ग्रीन एण्ड कपनी न्यूयॉर्क 1959

11 गुड विलियम, जे पॉल मैथड्स ऑफ रिसर्च'', न्यूयॉर्क मंग्राहिल, 1962 के हॉट

12 गुलकिसन एच ''थ्यौरी ऑफ रिसर्च'', न्यूयॉर्क मग्राहिल, 1920

13 गुलकिसन एच ''थ्यौरी ऑफ साइकोलॉजिकल मेजरमेंट'' टाटा मैग्राहिल पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली 1964

14 गुप्त रामबाबू ''शिक्षा मनोविज्ञान'', न्यू पब्लिशिंग हाउस कानपुर

15 गुड सी बी ''डिक्शनरी ऑफ एजुकेशन'', मैग्राहिल न्यूर्याक, 1945